

## फ्राँसीसी और पुर्तगाली क्षेत्रों का वलिय

### प्रारंभिक परीक्षा के लिये:

फ्राँसीसी और पुर्तगाली क्षेत्र, ब्राज़ावलि सम्मेलन, फ्रेंच कांगो, अफ्रीका, अनुच्छेद 27, गोवा, सालाज़ार, उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (NATO), ट्रिस्टाओ डी ब्रागांका कुन्हा, ऑपरेशन वजिय, आज़ाद गोमांतक दल (AGD), स्टूडेंट कॉन्ग्रेस ऑफ फ्रेंच इंडिया, फ्रेंच इंडियन नेशनल कॉन्ग्रेस ।

### मुख्य परीक्षा के लिये:

भारत की स्वतंत्रता के बाद भारत में अपने क्षेत्रों को बनाए रखने के क्रम में फ्राँसीसी और पुर्तगाली औपनिवेशिक शक्तियों के विपरीत दृष्टिकोण ।

## चर्चा में क्यों?

1 नवम्बर 1954 को भारत में फ्राँसीसी कब्जे वाले क्षेत्र भारतीय संघ को हस्तांतरित कर दिये गए तथा पुदुचेरी एक केंद्रशासित प्रदेश बन गया ।

- 19 दिसंबर को भारत, वर्ष 1961 में पुर्तगाली शासन से गोवा राज्य को माली स्वतंत्रता के स्मरण में गोवा मुक्ति दिवस मनाएगा ।
- लंबी बातचीत, राष्ट्रवादी आंदोलनों और सैन्य कार्रवाई से भारत फ्राँसीसी और पुर्तगाली क्षेत्रों को भारत में एकीकृत करने में सफल रहा ।

## फ्राँस ने भारत में अपने उपनिवेश बनाए रखने पर क्यों ज़ोर दिया?

- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पुनर्निर्माण: फ्राँसीसी सरकार का मानना था कि साम्राज्य औपनिवेशिक संसाधनों का उपयोग करके राष्ट्र के युद्ध-पश्चात पुनर्निर्माण को पुनर्जीवित करने और अपने वैश्विक प्रभाव को मज़बूत करने में मदद करेगा ।
- ब्राज़ावलि सम्मेलन (1944): वर्ष 1944 में फ्रेंच कांगो में आयोजित ब्राज़ावलि सम्मेलन से फ्राँसीसी संघ की अवधारणा सामने आई ।
  - इससे उपनिवेशों को फ्राँसीसी राजनीतिक प्रणाली में अधिक प्रत्यक्ष रूप से एकीकृत किया जा सकेगा, जिससे उन्हें पुनः परिभाषित संबंधों के तहत फ्राँस का हिस्सा बने रहने की अनुमति मिल सकेगी ।
- लोकतांत्रिक अधिकार: फ्राँसीसी संघ के संविधान के अनुच्छेद 27 में उसके उपनिवेशों को या तो फ्राँस के साथ रहने या स्वतंत्र होने का विकल्प दिया गया था ।
  - अपने उपनिवेशों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिये फ्राँस को एक उदार और प्रगतिशील औपनिवेशिक प्राधिकरण के रूप में प्रस्तुत किया गया ।
- सांस्कृतिक और भाषाई प्रभाव: फ्राँसीसी भारत में कई नवासी अंग्रेज़ी नहीं, बल्कि फ्रेंच बोलते थे, वे सांस्कृतिक रूप से नए, अंग्रेज़ी बोलने वाले स्वतंत्र भारत के बजाय फ्राँस के साथ जुड़ाव महसूस करते थे ।
- राजनीतिक और राजनीतिक गणना: फ्राँसीसी सरकार के लिये, भारत में जो कुछ भी हुआ, उसका प्रभाव इंडोचीन और अफ्रीका में उनके अन्य उपनिवेशों पर पड़ना तय था । परिणामस्वरूप उनका उद्देश्य संवाद की प्रक्रिया को यथासंभव लंबा खींचना था ।

नोट: भारत में, फ्राँसीसी उपनिवेशों में पुदुचेरी, माहे, चंद्रनगर, कराईकल और यानोन (यानम) शामिल थे ।

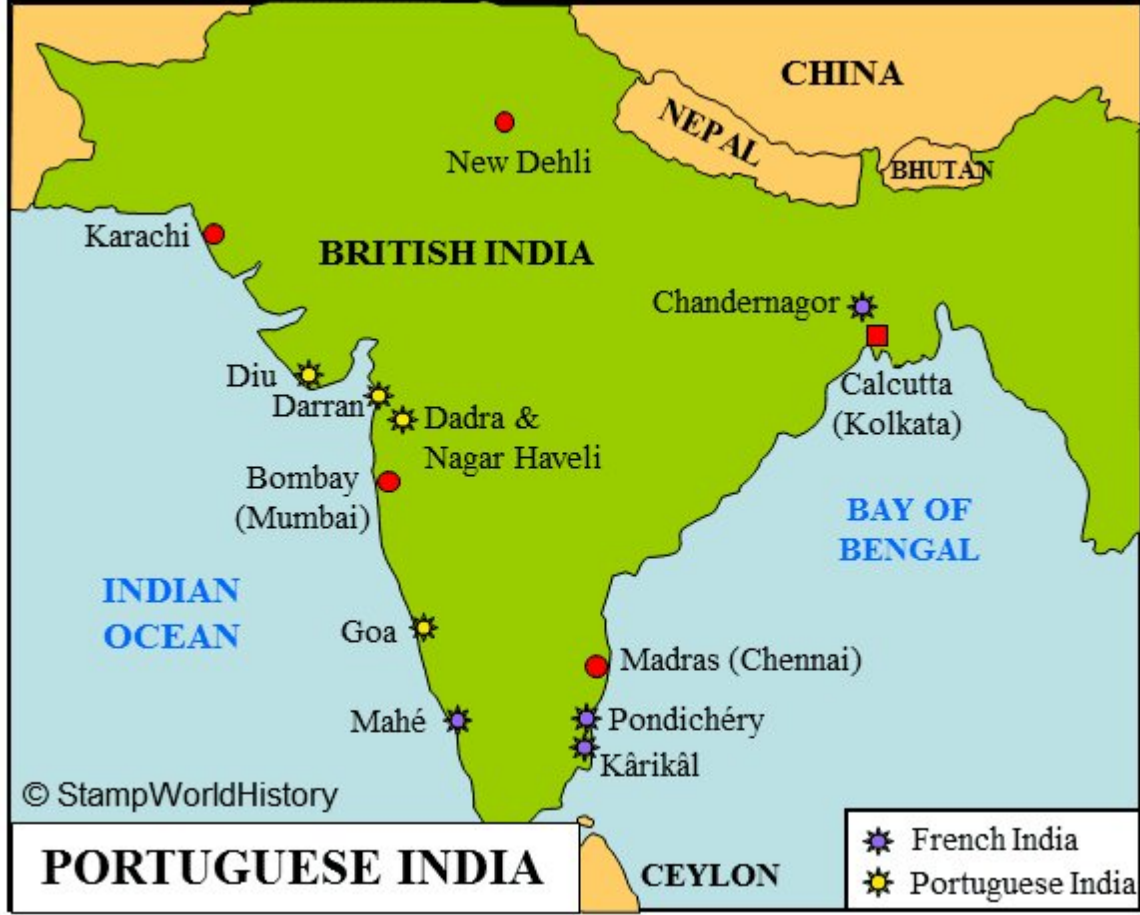
## पुर्तगाल ने भारत में अपने उपनिवेश बनाए रखने पर क्यों ज़ोर दिया?

- ऐतिहासिक दावा: पुर्तगाल ने गोवा में अपनी सदियों पुरानी उपस्थिति पर ज़ोर दिया, तथा 16वीं शताब्दी के आरंभ से ही इस क्षेत्र पर शासन किया, हाल ही में ब्रिटिश या फ्राँसीसी उपनिवेश स्थापित हुए ।
  - गोवा के लोग 19वीं सदी से पुर्तगाली संसद में अपने प्रतिनिधियों के लिये मतदान करते आ रहे हैं ।
- सालाज़ार का तानाशाही रुख: पुर्तगाली तानाशाह सालाज़ार ने पुर्तगाल के उपनिवेशों को अस्थायी संपत्ति के रूप में नहीं बल्कि पुर्तगाली राज्य के अभिन्न अंग के रूप में देखा और गोवा तथा अन्य भारतीय क्षेत्रों को वंदिशी प्रांत घोषित कर दिया ।

○ उनके वचिार में इस रुख ने उपनविशवाद को अकल्पनीय बना दिया, क्योंकि उनका यह मानना था कि यह पुर्तगाल की क्षेत्रीय अखंडता के वधितन के समान होगा।

- भू-राजनीतिक लाभ: **उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो)** में पुर्तगाल की सदस्यता ने गोवा की मुक्ति के लिये बल प्रयोग करने के भारत के प्रयासों के वरिद्ध एक नविवारक प्रदान किया।
- गोवा का सामरिक महत्त्व: भारत के पश्चिमी तट पर गोवा की रणनीतिक स्थिति ने पुर्तगाल को दक्षिण एशिया में पैर जमाने का मौका दिया और इसे क्षेत्र में पुर्तगाली प्रभाव बनाए रखने के लिये एक मूल्यवान परसिंपत्तिके रूप में देखा गया।
- कैथोलिक जनसंख्या: पुर्तगाल ने तर्क दिया कि गोवा की कैथोलिक जनसंख्या मुख्यतः **हिंदू-प्रधान स्वतंत्र भारत** में सुरक्षित नहीं रहेगी।
- यह अंतरराष्ट्रीय सहानुभूति प्राप्त करने का एक रणनीतिक कदम था, जिसका आशय यह था कि पुर्तगालियों के हटने से धार्मिक अल्पसंख्यकों को उत्पीड़न का सामना करना पड़ेगा।

//



नोट: भारत में पुर्तगाली उपनविशों में दमन, दीव, गोवा, इल्हा-डि-एँजडवि, नगर हवेली और पानीकोटा शामिल थे।

## फ्राँसीसी और पुर्तगाली क्षेत्रों का भारत में वलिय किस प्रकार भिन्न रूप से हुआ?

पहलू	फ्राँसीसी उपनविश	पुर्तगाली उपनविश
औपनविशा शक्ति का रुख	प्रारंभ में वार्ता के लिये तैयार, सांस्कृतिक संबंधों को बनाए रखने पर केंद्रित	क्षेत्र को प्रदान करने से इनकार कर दिया, साथ ही यह बल दिया कि गोवा पुर्तगाल का भाग है
स्थानीय जनता की प्रतिक्रिया	कुछ लोग फ्राँस के साथ बने रहने के पक्ष में थे, जबकि अन्य भारत के साथ एकीकरण के पक्षधर थे।	प्रबल राष्ट्रवादी भावना और पुर्तगाली शासन के प्रति दीर्घकालिक वरिोध। उदाहरण के लिये वर्ष 1787 में गोवा में पुर्तगाली शासन के वरिद्ध पट्टो वदिरोह
राष्ट्रवादी आंदोलनों की भूमिका	वभिन्न राष्ट्रवादी समूहों ने भारत के साथ एकीकरण का समर्थन किया।  ■ फ्राँसीसी भारतीय छात्र कॉन्ग्रेस, फ्राँसीसी भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस,	18वीं शताब्दी से चली आ रही सशक्त स्वतंत्रता संग्राम की कहानी।  ■ 19वीं सदी के गोवा के राष्ट्रवादी नेता फ्राँससिको लुइस गोम्स

	<p><b>फ़्राँसीसी भारतीय कम्युनिसिट पार्टी</b> ने भारतीय संघ में वलिय की मांग की।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>चंद्रनगर में <b>राष्ट्रीय जनतांत्रिक मोर्चा (NDF)</b> ने धमकी दी कथिदि फ़्राँस भारत के साथ वलिय की योजना प्रस्तावति करने में वफिल रहा तो वे सत्याग्रह करेंगे।</li> <li>माहे में राष्ट्रवादी <b>महाजन सभा</b> ने समानांतर सरकार स्थापति करने की धमकी दी।</li> </ul>	<p>ने लगातार पुरतगाली शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li><b>गोवा राष्ट्रवाद के जनक टरसिटा-डी-ब्रगांका कुनहा ने 1928</b> में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गोवा राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस का गठन किया था।</li> <li><b>राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस (गोवा)</b> ने गोवा, दमन और दीव की पूर्ण स्वतंत्रता और भारतीय संघ में इसके एकीकरण का समर्थन किया।</li> <li><b>एक क्रांतिकारी संगठन, आज़ाद गोमांतक दल (AGD)</b> ने भूमगित वरिध आरंभ किया।</li> </ul>
प्रमुख घटनाएँ	<p>प्रमुख कार्यक्रम नमिन हैं:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>जून 1948 में फ़्राँसीसी सरकार ने <b>चंद्रनगर (पश्चिम बंगाल)</b> में <b>जनमत संग्रह</b> आयोजति किया, जसिमें भारत में वलिय के पक्ष में मतदान हुआ।</li> <li>वर्ष 1951 में फ़्राँसीसी भारतीय क्षेत्रों को फ़्राँसीसी और भारतीय क्षेत्रों से अलग करने वाली सीमाओं पर <b>हसिक मुठभेड़ों के कारण नुकसान</b> हुआ।</li> <li>वर्ष 1954 में वलिय; वर्ष 1962 में अनुसमर्थन</li> </ul>	<p>प्रमुख कार्यक्रम नमिन हैं:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>15 अगस्त 1954 को गोवा राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस द्वारा एक <b>जन सत्याग्रह</b> आयोजति किया गया, जसि पुरतगाली अधिकारियों ने कूरतापूर्वक दबा दिया।</li> <li>वर्ष 1955 में, तरिगा झंडा उठाने वाले सत्याग्रहियों के जत्थों पर <b>गोलियों चलाई गईं, जसिके परिणामस्वरूप कई लोग मारे गए और गरिफ्तार कर लिये गए।</b></li> <li>जुलाई 1954 तक भारतीय कम्युनिसिट पार्टी ने कुछ क्रांतिकारी समूहों के साथ मलिकर <b>पुरतगालियों को दादर एवं नगर हवेली से बाहर कर दिया।</b></li> <li>वर्ष 1961 में भारत सरकार द्वारा <b>चलाए गए ऑपरेशन वजिय के</b> परिणामस्वरूप गोवा, दमन और दीव पर सैन्य अधगिरहण कर लिया गया।</li> </ul>
स्थानांतरण का तरीका	भारत के साथ वार्ता से समाधान और <b>राजनीतिक एकीकरण</b>	<b>सैन्य हस्तक्षेप</b> (ऑपरेशन वजिय) और जबरन वलिय
अंतरराष्ट्रीय प्रभाव	फ़्राँसीसी संघ की अवधारणा ने इस प्रक्रिया को प्रभावति किया; अफ्रीका और इंडोचीन में फ़्राँसीसी उपनविशों पर पड़ने वाले प्रभाव पर चति।	पुरतगाल में सालाजार तानाशाही; <b>नाटो गठबंधन</b> ने भारत की प्रतिक्रिया को जटलि बना दिया
भारत सरकार की भूमिका	कूटनीतिक दबाव, आर्थिक प्रतर्बिध और शांतपूरण एकीकरण के लिये वार्ता	कूटनीतिक प्रयास वफिल; लम्बे कूटनीतिक वरिध के बाद सैन्य बल का प्रयोग किया गया।

## नषिकर्ष

भारत में फ़्राँसीसी और पुरतगाली क्षेत्रों के वऔपनविशीकरण ने **वपिरीत दृष्टिकोणों को उज़ागर किया - कूटनीतिक सूझबूझ बनाम सशस्त्र संघर्ष**। फ़्राँसीसी भारत ने शांतपूरण परविरतन देखा, पुरतगाल द्वारा गोवा को सौंपने से इनकार करने के कारण सैन्य कार्रवाई हुई। दोनों प्रक्रियाएँ भारत की स्वतंत्रता के बाद की क्षेत्रीय एकता को आकार देने में महत्त्वपूरण थीं और वैश्विक वऔपनविशीकरण को अधिक प्रेरति किया।

<p><b>प्रश्न:</b> भारत की स्वतंत्रता के बाद अपने भारतीय क्षेत्रों को बनाए रखने में फ़्राँसीसी और पुरतगाली औपनविशिक शक्तियों के वपिरीत दृष्टिकोणों का परीक्षण कीजिये।</p>
--

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

??

**प्र. नमिनलखिति कथनों पर वचिर करे: (2021)**

1. संत फ्रांसिसि जेवयिर, जेसुइट संघ (ऑर्डर) के संस्थापक सदस्यों में से एक थे ।
2. संत फ्रांसिसि जेवयिर की मृत्यु गोवा में हुई तथा यहाँ उन्हें समर्पति एक गरिजाघर है ।
3. गोवा में प्रतविर्ष संत फ्रांसिसि जेवयिर के भोज का अनुष्ठान कया जाता है ।

**उपर्युक्त कथरनो में से कौन-से सही है?**

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

**प्रश्न: नमिनलखिति घटनाओं पर वचिर कीजयि: (2018)**

1. भारत के कसिी राज्य में सर्वप्रथम लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई साम्यवादी दल की सरकार ।
2. भारत का उस समय का सबसे बड़ा बैंक 'इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया' जसिका नाम बदलकर 'भारतीय स्टेट बैंक' रखा गया ।
3. एयर इंडिया का राष्ट्रीयकरण कया गया और यह राष्ट्रीय वाहक बन गया ।
4. गोवा स्वतंत्र भारत का अंग बन गया ।

**नमिनलखिति में से कौन-सा उपर्युक्त घटनाओं का सही कालानुक्रम है?**

- (a) 4 - 1 - 2 - 3
- (b) 3 - 2 - 1 - 4
- (c) 4 - 2 - 1 - 3
- (d) 3 - 1 - 2 - 4

उत्तर: (b)